भारतीय विद्यालय अल वादी अल कबीर

कक्षा – 10 प्रश्न बैंक – तताँरा वामीरो कथा

1. तताँरा-वामीरो कहाँ की कथा है?

तताँरा-वामीरो एक लोक कथा है। यह देश के उन द्वीपों की कथा है जो आज लिटिल अंदमान और कार-निकोबार नाम से जाने जाते हैं। निकोबारियों का मानना है कि प्राचीन काल में ये दोनों द्वीप एक ही थे।

2. वामीरो अपना गाना क्यों भूल गई?

वामीरो सागर के किनारे गा रही थी। अचानक समुद्र की ऊँची लहर ने उसे भिगो दिया, इसी हड़बडाहट में वह गाना भूल गई।

3. तताँरा ने वामीरो से क्या याचना की?

तताँरा वामीरो के रूप और मधुर आवाज़ से सम्मोहित हो गया था। गाँव की रीति की परवाह किए बिना उसने अगले दिन फिर लपाती गाँव की उसी समुद्री चट्टान पर आने की याचना की।

4. तताँरा और वामीरो के गाँव की क्या रीति थी?

तताँरा और वामीरो के गाँव की रीति थी कि विवाह के लिए लड़का-लड़की का एक ही गाँव का होना आवश्यक था।

5. क्रोध में तताँरा ने क्या किया?

क्रोध में तताँरा ने अपनी पूरी शक्ति लगाकर उसकी तलवार को धरती में घोप दिया और खींचने लगा जिससे धरती में दरार पड़ गई और वह दो टुकड़ों में बँट गई।

6. तताँरा की तलवार के बारे में लोगों का क्या मत था?

उत्तर:- तताँरा की तलवार के बारे में लोगों का मत था कि उसकी तलवार भले साधारण लकड़ी की थी पर तलवार में अद्भुत, विलक्षण और दैवीय शक्ति थी।

7. वामीरो ने तताँरा को बेरुखी से क्या जवाब दिया।

उत्तर:- वामीरो ने तताँरा को बेरुखी से जवाब दिया कि वह कौन है, उसे क्यों घूर रहा है और उसके इस तरह असंगत प्रश्नों के उत्तर वह क्यों दे? वह अपने गाँव के अतिरिक्त किसी अन्य युवक के प्रश्नों के उत्तर देने के लिए बाध्य नहीं है और यह बात वह भी जानता है।

8. तताँरा-वामीरो की त्यागमयी मृत्यु से निकोबार में क्या परिवर्तन आया?

उत्तर:- तताँरा-वामीरो की त्यागमयी मृत्यु से निकोबार की सदियों से चल रही रुढ़िवादी परंपरा में परिवर्तन आया। उन दोनों की मृत्यु के पश्चात् निकोबारी दूसरे गाँवों में भी वैवाहिक संबंध रखने लगे ।

9. निकोबार के लोग तताँरा को क्यों पसंद करते थे?

उत्तर:- तताँरा एक नेक, मददगार युवक था। वह सदैव दूसरों की सहायता करने के लिए तत्पर रहता था। अपने नहीं बल्कि समूचे द्वीपवासियों की सेवा करना चाहता था। जहाँ कहीं भी मुसीबत आती वह दौड़ा-दौड़ा चला जाता था। उसके इन्हीं मानवीय गुणों के कारण निकोबार के लोग तताँरा को पसंद करते थे।

10. निकोबार द्वीपसमूह के विभक्त होने के बारे में निकोबारियों का क्या विश्वास है?

उत्तर:- निकोबारियों का विश्वास था कि पहले अंडमान-निकोबार एक ही द्वीप थे । इनके दो होने के पीछे तताँरा वामीरो की लोक कथा प्रचलित है । ये दोनों प्रेम करते थे । दोनों एक गाँव के नहीं थे । इसलिए रीति अनुसार विवाह नहीं हो सकता था । रूढ़ियों में बंधे होने के कारण वह कुछ कर भी नहीं सकता था । उसे अत्यधिक क्रोध आया और उसने क्रोध में अपनी तलवार धरती में गाड़ दी और उसे खींचते-खींचते बहुत दूर चला गया । इससे ज़मीन दो भागों में बँट गई - एक निकोबार और दूसरा अंडमान ।

11. तताँरा खूब परिश्रम करने के बाद कहाँ गया? वहाँ के प्राकृतिक सौंदर्य का वर्णन अपने शब्दों में कीजिए।

उत्तर:- तताँरा दिनभर के अथक परिश्रम करने के बाद समुद्र किनारे टहलने निकला । उस समय सूरज डूबने का समय हो रहा था। समुद्र से ठंडी बयारें चल रही थी। पक्षियों के घोसलों में लौटने का समय भी हो चला था इसलिए उनकी आवाजें धीरे-धीरे कम हो गई थीं। सूरज की अंतिम किरणें समुद्र पर प्रतिबिम्ब अंकित कर रही थी।

12. वामीरो से मिलने के बाद तताँरा के जीवन में क्या परिवर्तन आया?

उत्तर:- वामीरो के मिलने के पश्चात् तताँरा हर-समय वामीरो के ही ख्याल में ही खोया रहता था। उसके लिए वामीरो के बिना एक पल भी गुजारना कठिन-सा हो गया था। वह शाम होने से पहले ही लपाती की उसी समुद्री चट्टान पर जा बैठता, जहाँ वह वामीरो के आने की प्रतीक्षा किया करता था।

13. प्राचीन काल में मनोरंजन और शक्ति-प्रदर्शन के लिए किस प्रकार के आयोजन किए जाते थे?

उत्तर:- प्राचीन काल में मनोरंजन और शक्ति-प्रदर्शन के लिए मेले, पशु-पर्व कुश्ती, गीत संगीत आदि अनेक प्रकार के आयोजन किए जाते थे। जैसे पशु-पर्व में हृष्ट-पुष्ट पशुओं का प्रदर्शन किया जाता था तो पुरूषों को अपनी शक्ति प्रदर्शन करने के लिए पशुओं से भिड़ाया जाता था। इस तरह के आयोजनों में सभी गाँववाले भाग लेते थे और गीत-संगीत के साथ भोजन आदि की भी व्यवस्था की जाती थी।

14. रूढियाँ जब बंधन बन बोझ बनने लगें तब उनका टूट जाना ही अच्छा है। क्यों? स्पष्ट कीजिए।

रूढियाँ और बंधन समाज को अनुशासित करने के लिए बनते हैं परंतु जब यही बोझ बनने लगें तब उनका टूट जाना ही अच्छा है । तभी हम समय के साथ आगे बढ़ पाएँगे। बंधनों में जकड़कर व्यक्ति और समाज का विकास, सुख-आनंद, अभिव्यक्ति आदि रुक जाती है। इस कहानी के संदर्भ में देखा जाए तो तताँरा वामीरो का विवाह एक रूढ़ी के कारण नहीं हो सकता था जिसके कारण उन्हें जान देनी पड़ती है । इस तरह की रूढ़ियाँ भला करने की जगह नुकसान करती हैं । यदि हमें आगे बढ़ना है तो इन रूढ़ीवादी विचारधाराओं को तोड़ना ही होगा।

15.निम्नलिखित के आशय स्पष्ट कीजिए -

(i). जब कोई राह न सूझी तो क्रोध का शमन करने के लिए उसमें शक्ति भर उसे धरती में घोंप दिया और ताकत से उसे खींचने लगा।

इस पंक्ति का आशय यह है कि तताँरा अपने अपमान को सहन नहीं कर पाया। अपने अपमान को शांत करने के लिए उसने अपनी पूरी ताकत लगाकर धरती में अपनी तलवार घोंप दी। जिसके परिणास्वरूप धरती दो टुकड़ों में बँट गई।

(ii). बस आस की एक किरण थी जो समुद्र की देह पर डूबती किरणों की तरह कभी भी डूब सकती थी।

इस पंक्ति के जरिए तताँरा के मन की उधेड़बुन को दर्शाया गया है। वामीरो से मिलने की प्रतीक्षा में वह बैचैन रहता था। उसकी प्रतीक्षा आशा और निराशा के बीच झूलती रहती थी।

****